न्यूज डायरी

चीन ने गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमले का दिया था आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में गलवान घाटी हमले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के वरिष्ठ जनरल ने अपने सैनिकों को गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों पर हमले का आदेश दिया था। इस हमले में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे। इस हमले के बाद से ही भारत और चीन के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गया है। अमेरिकी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चीन के पश्चिमी थियेटर कमांड के प्रमुख जनरल झाओ जोंगकी ने गलवान घाटी हमले को मंजूरी दी थी। जनरल झाओ उन कुछ गिने चुने वरिष्ठ जनरल में शामिल हैं जो पीएलए में अभी भी सेवा दे रहे हैं। झाओ ने इससे पहले चेतावनी दी थी कि भारत, अमेरिका और उसके सहयोगियों के शोषण से बचने के लिए चीन को कमजोर नहीं दिखना चाहिए। झाओ पहले भी भारत के साथ हुए गतिरोध पर अपनी नजर रखते रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि झाओ भारतीय सैनिकों पर हमले के जरिए भारत को सबक सीखाना चाहते थे।

रियाद में मिसाइल हमला, यमन–ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों पर शक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार अल सुबह कई ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए हैं। रियाद में रात को कई धमाके और सायरन की आवाज सुनी गई। सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास ने रियाद पर श्संभावित मिसाइल या ड्रोनश हमले की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि यह हमला रियाद की इमारत पर किया गया। बताया जा रहा है कि ये हमले ईरान और यमन समर्थक हूथी विद्रोहियों ने किए हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है। अमेरिकी दूतावास ने अपने बयान में कहा कि यदि लोगों धमाकों की आवाज सुनें तो कहीं पर छिप जाएं। अगर आप एक इमारत में रहते हैं तो खिड़की और दीवारों से दूर रहें। अगर आप बाहर हैं तो तत्काल सुरक्षित जगह पर चले जाएं।

दक्षिण कोरिया के कार्यकर्ताओं ने गुब्बारों के जरिए पर्चे उत्तर कोरिया भेजे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सयोल। दक्षिण कोरिया के एक कार्यकर्ता ने मंगलवार को कहा कि गुब्बारे से लाखों पर्चे उत्तर कोरिया भेजे गए हैं। उत्तर कोरिया इस तरह की कार्रवाइयों पर जवाबी कार्रवाई की लगातार चेतावनी देता रहा है। इसके बावजूद एक बार फिर वहां पर्चे भेजे गए हैं।दक्षिण कोरियाई सीमा पर स्थित पाजून शहर की पुलिस ने मंगलवार को कहा कि वह पर्चे भेजे जाने के संबंध में जांच कर रही है।कार्यकर्ता पार्क सांग–हाक ने कहा कि उसके संगठन ने विशाल गुब्बारों में 5,00,000 पर्चे, एक डॉलर के 2000 नोट और छोटी किताबें पाजू से सोमवार रात उत्तर कोरिया भेजे हैं। उत्तर कोरिया से भागकर दक्षिण कोरिया में शरण लेने वाले पार्क ने कहा कि पर्चे भेजनाउत्तर कोरियाई लोगों की स्वतंत्रता के लिए न्याय का संघर्ष है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग–उन को ''एक दुष्ट'' और उनके शासन को ''बर्बर'' करार देते हुए पार्क ने कहा कि वह अपनी जान की परवाह किए बिना किम को यह पर्चे भेजते रहेंगे।

जापान ने खदेड़ी चीनी पनडुब्बी, एशिया में घिरे ड्रैगन ने दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। लद्दाख में भारत के साथ उलझे चीन को जापान ने अच्छा सबक सिखाया है। हाल में जापानी जलक्षेत्र में घुसे चीनी नेवी के पनडुब्बी को जापान ने दूर तक खदेड़ दिया। एशिया में विस्तारवादी मानसिकता को संजोने वाला चीन अब पूर्वी चीन सागर में जापान के साथ द्वीपों को लेकर उलझा हुआ है। वहीं जापान ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में चीन की हर हरकत का माकूल जवाब दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, जापानी विवंसक युद्धपोत कागा ने दक्षिणी जापान में ओकिनावा द्वीप के पास 24 समुद्री मील के भीतर एक चीनी पनडुब्बी का पता लगाया। जिसके बाद हरकत में आई जापानी नौसेना ने अपने पेट्रोलिंग एयरक्राफ्ट की मदद से चीनी पनडुब्बी को अपने जलक्षेत्र से बाहर खदेड़ दिया।

चीन की मदद से भारत को फंसाना चाहता था पाकिस्तान

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से रोक दिया

साजिश

■वेनू माधव को वैश्विक आतंकवादी घोषित कराना चाहता था पाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। आतंकवाद को समर्थन देने के मुद्दे पर पाकिस्तान के भारत को भी फंसाने की योजना को अमेरिका ने विफल कर दिया है। दरअसल, जम्मू–कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के संयुक्त राष्ट्र के बैन करने के बाद पाकिस्तान ने यह नापाक साजिश रची थी। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के प्रस्ताव को रोक दिया।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि अमेरिका ने सुरक्षा परिषद को शुक्रवार को आधिकारिक रूप से सूचित किया है कि वह आधिकारिक रूप से पाकिस्तान के प्रस्ताव को रोक रहा है। पाकिस्तान ने 4 भारतीय नागरिकों पर उसके यहां पर आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया था। इसमें अफगानिस्तान में सक्रिय भारतीय कंस्ट्रक्शन कंपनी के इंजिनयिर वेनू माधव डोंगरा भी शामिल हैं।

पाकिस्तान को उम्मीद थी कि चीन की मदद से वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से वेनू माधव को वैश्विक आतंकवादी घोषित करा लेगा लेकिन उसकी योजना धरी की धरी रह गई। अमेरिका ने पिछले साल सितंबर महीने में इस प्रस्ताव को तकनीकी रूप रोक दिया था और पाकिस्तान से डोंगरा के खिलाफ और ज्यादा सबूत देने के लिए कहा था।

पाकिस्तान के और ज्यादा सबूत नहीं देने पर अमेरिका ने डोंगरा के खिलाफ आए प्रस्ताव को आधिकारिक रूप से रोक दिया। इसके साथ ही अब यह प्रस्ताव खत्म हो गया है। अब अगर पाकिस्तान अब भी डोंगरा को फंसाना चाहता है तो उसे नया प्रस्ताव लाना होगा।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान डोंगरा के बहाने मसूद अजहर का बदला लेना चाहता था लेकिन वह अपनी योजना में बुरी तरह से फेल हो गया। इससे पहले चीन ने मसूद अजहर पर आए प्रस्ताव को 4 मौकों पर ब्लॉक किया था।

सबूत देने में पाकिस्तान बुरी तरह से फेल: सूत्रों ने बताया कि डोंगरा के खिलाफ सबूत देने में पाकिस्तान बुरी तरह से फेल हुआ। पाकिस्तान ने डोंगरा पर आतंकवादी हमलों के वित्तपोषण और आतंकी संगठन तहरीक–ए–तालिबान से संबंध रखने का आरोप लगाया था। इससे पहले पाकिस्तान ने 3 और भारतीयों पर यही आरोप लगाए थे और ये सभी भारत लौट चुके हैं।

भारतीय अधिकारी ने कहा, हमने कभी पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की थी कि वह कोई गंभीर सबूत लेकर आएगा। अजहर के केस में यहां तक कि चीन को प्रतिबंध के प्रस्ताव पर अपनी रोक को हटाना पड़ा था क्योंकि जैश सरगना ने न केवल हमलों की साजिश रची थी बल्कि वह संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित संगठन का मुखिया है।

यूएस और रूस भी नहीं आएंगे भारत के काम,चीनी मीडिया दी गीदड़भभकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख के गलवान घाटी में 15 जून को हुए संघर्ष के बाद से ही भारत और चीन में तनाव जोरों पर है। इस बीच भारत सरकार ने सीमा पर तैनात फील्ड कमांडरों को छूट दी है कि वे अपने हिसाब से इंगेजमेंट की पॉलिसी में बदलाव कर सकते हैं। इसकी मतलब यह हुआ कि अगर सैन्य अधिकारियों को यह महसूस होता है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोली चलाना जरूरी है तो वे बिना देरी किए आदेश दे सकते हैं। बस इसी बात से चीन की मिर्ची लग गई है।

चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने डींगे हांकते हुए यहां तक कहा कि खुलेआम चेतावनी देते हुए लिखा है कि 1962 के युद्ध में अमेरिका और रूस भारत के पक्ष में आए लेकिन चीन ने किसी की परवाह न करते हुए भारत को दूर खदेड़ दिया। ग्लोबल टाइम्स ने आगे लिखा कि अगर भारत एकतरफा सीमा प्रबंधन तंत्र का उल्लंघन करता है, तो चीन को भी जबरदस्ती जवाब देना होगा। किसी की सहायता भी भारत के काम नहीं आएगी।

इतना ही नहीं, चीनी सरकारी मीडिया ने खुलेआम चेतावनी देते हुए लिखा है कि चीनी सैनिकों के साथ इंगेजमेंट के नियमों को बदलने और गोली चलाने की परमिशन देने से भारत की सुरक्षा को ही खतरा होगा।

नासा ने डिजाइन किया 174 करोड़ का टॉइलट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अंतरिक्ष के कई चक्कर काट चुकी अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा आखिरकार महिला ऐस्ट्रोनॉट्स की एक अहम जरूरत के लिए तैयार है। अब महिलाओं के लिए यूनिवर्सल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम नाम का टॉइलट डिजाइन किया गया है जिससे महिलाओं को स्पेस में आसानी हो सके। 23 मिलियन डॉलर यानी 174 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट के इस टॉइलट को बनाने में 6 साल लगे हैं और इसे सितंबर तक इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन भेजे जाने की तैयारी है। अब तक महिलाओं के स्पेस में जाने में यह एक बड़ी चुनौती हुआ करती थी कि वहां उनके मुताबिक टॉइलट नहीं होते लेकिन महिला ऐस्ट्रोनॉट्स की संख्या बढ़ने के साथ आखिरकार यह अहम जरूरत पूरी होने वाली है।

हज यात्रा होगी या नहीं, सऊदी अरब सरकार ने किया बड़ा ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। हज यात्रा को लेकर दुनियाभर में चल रही अटकलों को खत्म करते हुए सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि इस साल श्बहुत सीमित संख्या में मुस्लिमों को हज करने की अनुमति दी जाएगी। सभी हज यात्री सऊदी अरब में रह रहे लोग ही होंगे। अंतरराष्ट्रीय हज यात्रियों को अनुमति नहीं दी जाएगी। आमतौर पर दुनियाभर से हर साल हज यात्रा पर 20 लाख लोग शामिल होते हैं। इससे पहले ऐसी अटकलें चल रही थीं कि इस साल सऊदी अरब हज यात्रा को मंजूरी देगा या प्रतीक के तौर पर बहुत कम लोग हज करेंगे।

यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि

सभी हज यात्री सऊदी अरब में रह रहे लोग ही होंगे

क्यों सऊदी अरब सरकार ने हज यात्रा से मात्र 5 सप्ताह पहले यह फैसला लिया है। माना जा रहा है कि दुनियाभर के मुस्लिमों की भावनाओं को देखते हुए सऊदी अरब सरकार ने यह फैसला इतनी देरी से लिया है। सऊदी अरब ने अपनी स्थापना के 90 साल के अंदर कभी भी हज यात्रा को रद्द नहीं किया है। सऊदी अरब के शाह का परिवार कई पीढ़ियों से मक्का में आयोजित होने वाली हज यात्रा का संरक्षक है।

सऊदी अरब में रह रहे लोगों को ही हज यात्रा की अनुमति

सऊदी सरकार ने कहा कि उसका बहुत कम लोगों के साथ हज यात्रा कराने का फैसला कोरोना वायरस की वजह से है। सरकार ने कहा, यह फैसला जन स्वास्थ्य को देखते हुए हज को सुरक्षित तरीके से कराने के लिए लिया गया है। सऊदी सरकार ने कहा है कि केवल सऊदी अरब में रह रहे दुनियाभर के लोगों को ही इस साल हज यात्रा की अनुमति दी जाएगी। हज यात्रा जुलाई से शुरू होने जा रही है।

सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि कितने लोगों को हज यात्रा की अनुमति दी जाएगी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, सऊदी प्रशासन इस साल बुजुर्ग हज यात्रियों पर प्रतिबंध और गंभीर स्वास्थ्य जांच सहित कई तरह के अन्य प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

बड़े देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार से संक्रमितों की संख्या बढ़ रही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि ज्यादा आबादी वाले देशों में कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलने के कारण रोजाना रिकॉर्ड संख्या में मामले सामने आ रहे हैं और यह वायरस की वैश्विक गतिविधि में बदलाव को दर्शाता हैं। संगठन के आपात स्थिति के प्रमुख माइकल रयान ने सोमवार को मीडिया को बताया कि मामले इस लिए बढ़ रहे है, क्योंकि महामारी एक ही समय पर कई ज्यादा आबादी वाले देशों में फैल रही है। रयान ने इस बात को भी खारिज किया कि ज्यादा जांच करने से मामले बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका समेत कुछ देशों ने संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी का कारण अधिक जांच करने को बताया है। उन्होंने कहा, " हम नहीं मानते हैं कि यह जांच करने की वजह से हो रहा है।"

रयान ने यह भी कहा कि कई देशों में अस्पताल में भर्ती किए जाने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है और मृतकों के आंकड़ों में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से वायरस ने अपने पैर जमा लिए हैं। महामारी कई बड़े देशों में बढ़ रही है।